गहनम् (=thicket). II. Adj.: (1) expr. by tat. comp.: *a f. tree*: वनपादपः; (2) वन्यः (न्या, न्यं); (3) आरण्यक (f. का).

FORESTALL: I. To anticipate: q.v. II. To obstruct: q.v. III. To f. a market: मूल्यवर्धनाय द्रव्याणि पूर्वं क्रीणाति (क्री, c. 9.).

FORESTALLER: मूल्यवर्धनाय पूर्वक्रेतृ (m.); *पण्यरोधकः.

FORESTER: I. Inhabitant of a forest: (1) वनेचरः; (2) वनेसद्- (m.); (3) वनवासिन् (m.); (4) आरण्यकः; (5) आटविकः, H.; and sim. comp.s. II. Keeper of a forest: वनपालः, N.

FORETASTE: I. Subs.: पूर्वस्वादः: v. Taste. II. Verb: पूर्वम् *or* प्राक् स्वादयति (c. of स्वद्).

FORETELL: अनागतं वदति (वद्, c. 1.): v. To predict.

FORETELLER: भविष्यद्वक्तृ (m.): v. Prophet.

FORETHOUGHT: I. Lit.: expr. by verb, *having f. of his own end*: भाविनमन्तमात्मनो जानन्नपि, Si. II. Prudence: समीक्षा, प्र-.

FORETOKEN: सूचयति (सूच्, c. 10.): v. To forebode.

FORETOP-MAST: *अग्रमस्त्रकूपः.

FOREWARN, FOREWARNING: v. Warn; warning, beforehand.

FOREWOMAN: (1) प्रधाना; (2) नायिका: v. Foreman.

FORFEIT (subs.): दण्डः: v. Penalty, fine.

FORFEIT (v.): (1) दण्डम् अधिगच्छति (गम्, c. 1.) v. Punishment; (2) हारयति (c. of हृ) v. To lose.

FORFEITED (adj.): no exact equiv.: दण्डितः (ता, तं) (=punished, fined): v. Also to escheat.

FORFEITURE: I. The act: expr. by दण्डः *or* हानिः (=loss). II. Anything forfeited: प्रमादादेयो दण्डः (?).

FORGE (subs.): (1) कुटिलिका, Wilson; (2) उद्ध्मानम् (gen. term).

FORGE (v.t.): I. To form, effect: q.v.: घटयति (c. of घट्). II. To fabricate, expr. with कपट *or* कूट, *to f. a grant*: कूटशासनं करोति; *to use a f.d letter*: कपटलेखं प्रयुंक्ते: v. Counterfeit, false.

FORGER: कूटकारः, -कः; कूटकृत् (m.); कपटलेखादिकारः.

FORGERY: I. The crime: कूटकरणम् (?), *f. of a document*: कपटलेखकरणम्. II. Anything forged: expr. by कौटः (टी, टं) *or* कौटिकः (की, कं).

FORGET: (1) विस्मरति (स्मृ, c. 1.), *who f.s wrongs*: योऽपकृतं विस्मरति, Mr. ii.; (2) न स्मरति, *who f.s his mother land*: केन जन्मभूमिर्न स्मर्यते, V.p.

FORGETFUL: (1) विस्मरणशीलः (ला, लं); (2) स्वल्पस्मृति (mfn.), Mr.

FORGETFULNESS: (1) विस्मृतिः; (2) विस्मरणम्; (3) अस्मरणम्; (4) स्मृतिलोपः, Sa. and sim. comp.s.

FORGIVE: (1) क्षमते *or* क्षाम्यति (क्षम्, c. 1. and 4.), *Śātānanda will not so easily f.*: न त्वेवं शतानन्दः क्षमिष्यते, Vi. iii.; (2) तितिक्षते (तितिक्ष्, c. 1.), *please f. my misbehaviour*: तितिक्षतुं दुश्चरितं त्वमर्हसि, Ki. xviii. 42.; (3) मर्षयति *or* मृष्यति (मृष्, c. 10. and 4.), *you should f. this fault*: अयमपराधो भवता मर्षयितव्यः, Sa. iv.; (4) सहते (सह्, c. 1.), *I will then f. this fault*: अपराधिमिमं ततः सहिष्ये, Sa. iii. N.B. Only क्षम् can take an acc. of the person.

FORGIVENESS: (1) क्षमा; (2) तितिक्षा; (3) सहिष्णुता.

FORGIVING (adj.): (1) क्षमिन् (f. णी); (2) क्षमावत् (f. ती); (3) तितिक्षु (mfn.); (4) सहिष्णु (mfn.) (=bearing up); (5) कृपालु (mfn.) (=merciful).

FORK (subs): *कण्टकः, *three pronged f.*: *त्रिमुखकण्टकः; चतुर्दन्तकण्टकः.

FORKED (adj.): द्विमुखः (खा, खं) (?).

FORLORN: I. Deserted: त्यक्तः (क्ता, क्तं). II. Miserable, helpless: (1) दीनः (ना, नं) (=wretched); (1) हतः (ता, तं) (=done for), *in this f. life*: हतजीवितेऽस्मिन्, R.

FORM (subs.): I. Shape: (1) रूपम्, *assuming a f. at pleasure*: कामरूपिन् (f. णी), Ram; *like in f. and quality*: रूपस्य गुणस्य च सदृशः (शी, शं), Mr. ix. 33.; (2) आकारः *or* आकृतिः (gen. = features), *external f.*: बहिराकारः, M.n.; (3) मूर्तिः (=entire f.), *assuming dwarfish f. to deceive*: विधाय मूर्तिं कपटेन वामनीम्, N.: v. Body. II. Shapeliness, beauty: रूपम्. III. Appearance: आकारः. Ph. *in due f.*: यथाविधि; *f. of prayer*: स्तोत्रसूत्रम् (?). IV. system, kind: q.v.: *f. of Government*: राजतन्त्रम्.